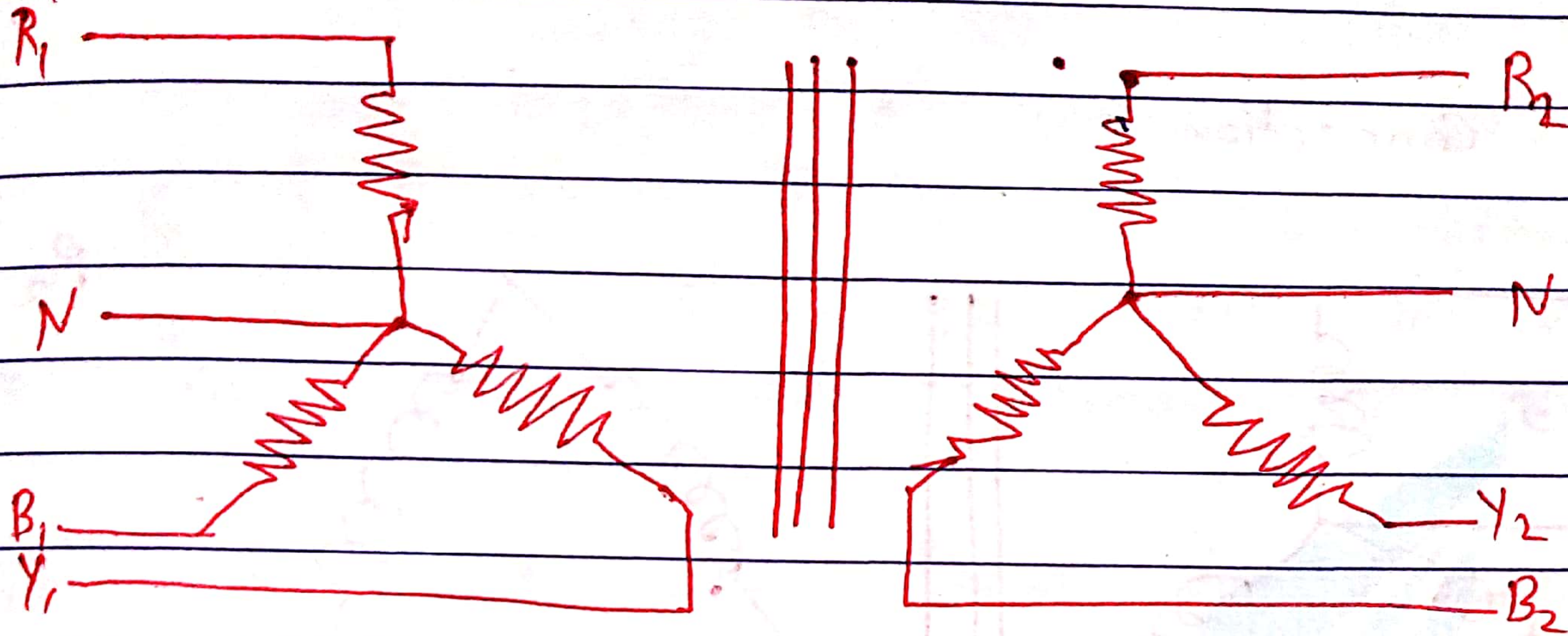


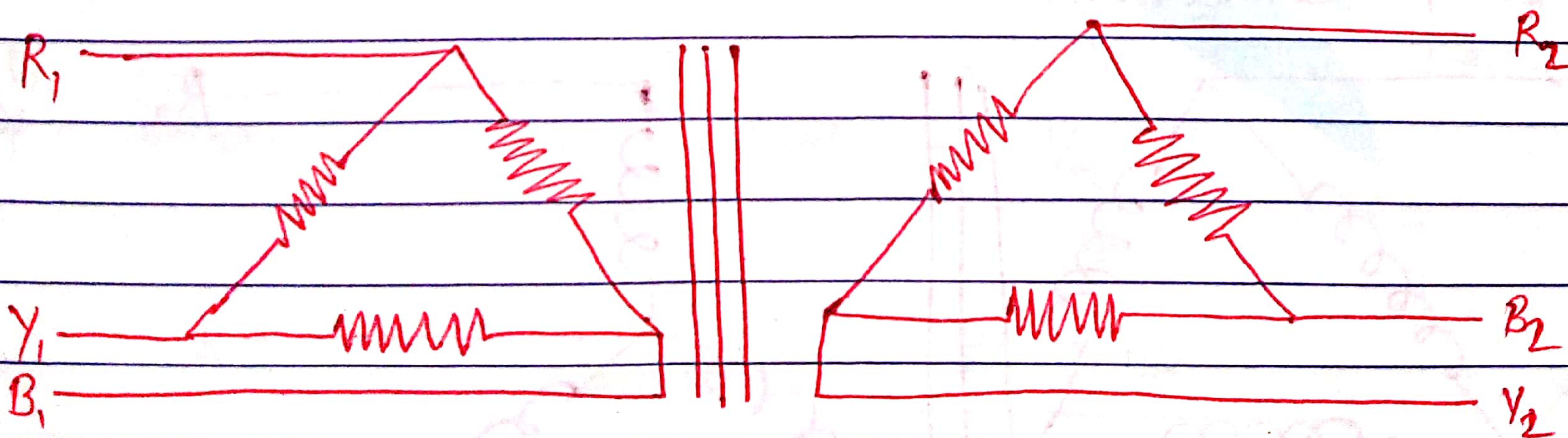
* 3- ϕ T/F Connections

① Y-Y Connection



Star-Star Connection छोटे लेकिन High Voltage के T/F के लिए सबसे उपयुक्त है। इस प्रकार के संयोजन में कुण्डलों में विद्युत रोधन के केवल 57.5% वोल्टता को सहना पड़ता है। इससे वर्तन प्रतिफल तथा विद्युरोधन की कम आवश्यकता पड़ती है। यदि चौथा तार (न्यूट्रल) अनुपस्थित है तो तृतीय हार्मोनिक वोल्टता एवं धारा अनुपस्थित रहती है। इस संयोजन को तीन फेज चार तार प्रणाली के लिए भी प्रयोग किया जा सकता है। इस प्रणाली संयोजन में यह दोष है कि यह संयोजन तभी सन्तोषजनक कार्य करते हैं जबकि संयोजन पर सन्तुलित लोड हो।

② Δ - Δ Connection

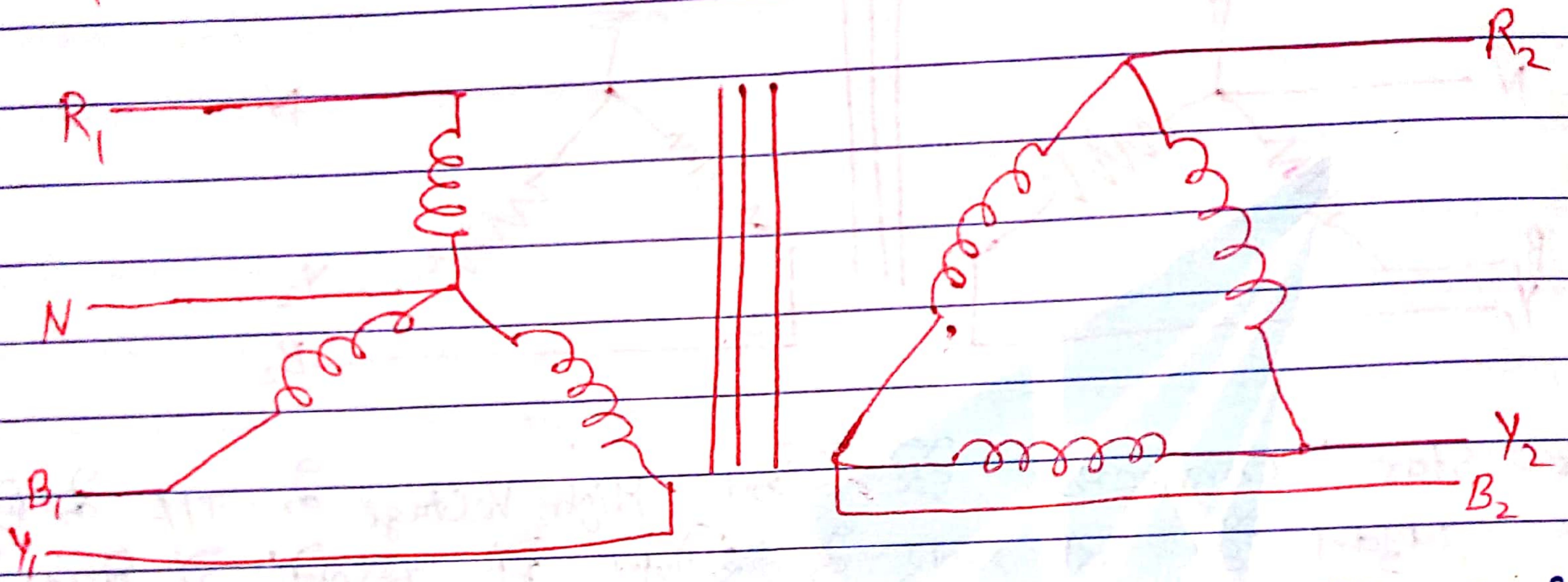


Δ - Δ Connection बड़े लेकिन निम्न वोल्टता वाले T/F के लिए प्रयोग की जाते हैं। इस प्रकार के संयोजित ट्रांसफार्मरों में विद्युरोधन के समस्या कई

Date

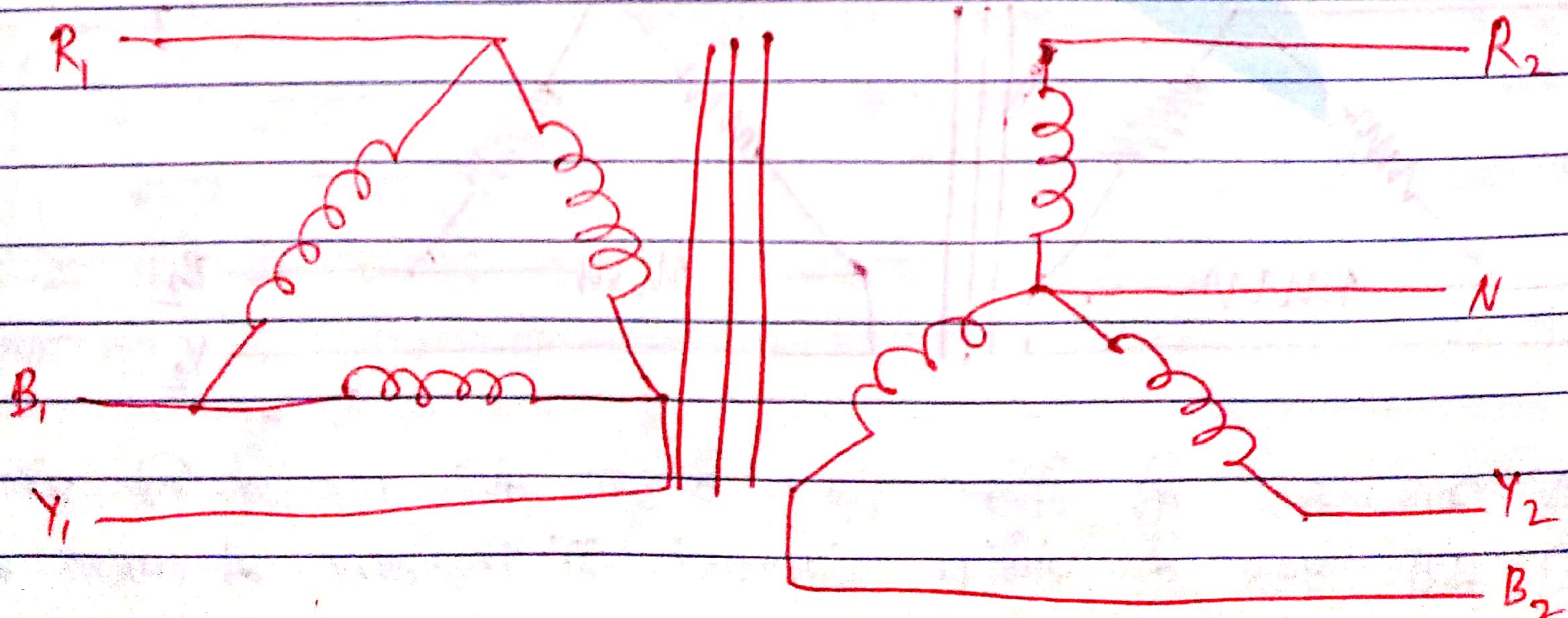
विशेष महत्व नहीं रखती है क्योंकि इस कारण से वोल्टों की संख्या प्रतिदिन बढ़ जाती है तथा प्रयोग किए जाने वाले चालकों का अनुप्रस्थ घट जाता है।

(iii) $\gamma - \Delta$ Connection:



इस प्रकार के संयोजन शक्ति - ट्रांसफार्मरों में प्रयोग किए जाते हैं। इन T/F का मुख्य रूप में प्रयोग विद्युत उपकेन्द्रों पर किया जाता है, जहाँ Voltage को अंकुश करना पड़ता है जैसे संयंत्र लाइन के अन्त में। चूँकि इनके प्राथमिक कुण्डलों को भी इस संयोजन में 57.75% वोल्टता को सहना पड़ता है इसलिए इसमें कम विद्युतरोधन की आवश्यकता पड़ती है। इसके अतिरिक्त द्वितीयक डेल्टा कुण्डलन, तृतीय हार्मोनिक द्वारा वहन करती है जिससे न्यूट्रल बिन्दु स्थायी हो जाता है।

(iv) $\Delta - \gamma$ Connection:

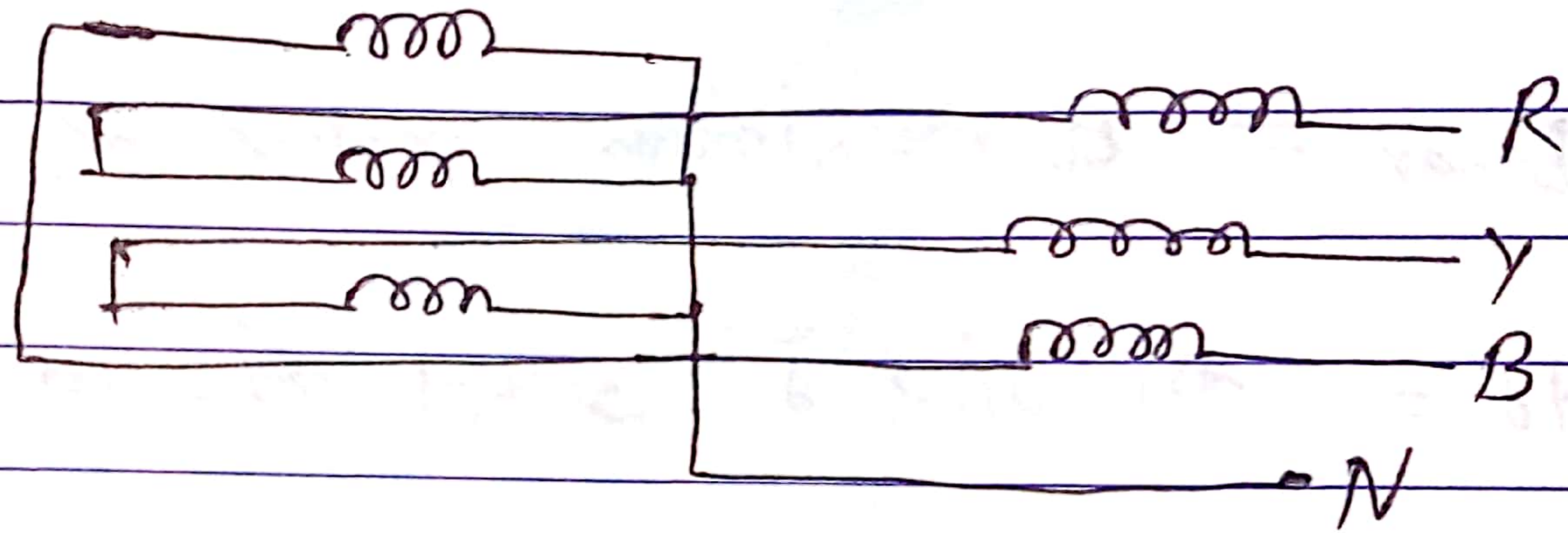


यह संयोजन वोल्टता को उच्च करने के लिए उपयोगी है। इसलिए इन T/F का प्रयोग संयोजन प्रणाली के Voltage को उच्च करने में किया जाता है। उच्च Voltage की तरफ Star संयोजन के कारण कम वोल्टता तथा कम विद्युतरोधन की आवश्यकता पड़ती है क्योंकि कु द्वितीयक कुण्डली में कुण्डलन को केवल 57.75% Voltage को ही सहन करना पड़ता है। इसमें न्यूट्रल बिन्दु भी स्थायी रहता है क्योंकि डेल्टा संयोजन तृतीय हार्मोनिक धारा वहन कर सकते हैं।

① Inter Connected Star Connection or Zig Zag Connection

Inter Connected Star Connection:

Not Important



इस प्रकार के 3- ϕ Connection में T/F का Pri Wdg तो

स्थिति अनुसार Star या Δ Connection में होता है, परंतु विभिन्न

कालान्तर प्राप्त करने हेतु उसका Sec. Wdg Inter Connect

Star में होता है जिसमें प्रत्येक दो कला Wdg को दो भागों

में बांटने के बाद परस्पर दूसरी कला Wdg के आधे

अंश के साथ Inter Connected कर दी जाती है।

★ (*) Paralled Operation of T/F
किसी T/F को अपने निर्धारित Load से अधिक Load पर संयोजित

करना हो तो यह आवश्यक हो जाता है कि उसके समान्तर में एक या एक से अधिक T/F को Parallel में जोड़ा जाये। अतः T/F की Primary Wdg को Primary Bus Bar से तथा Secondary Wdg को Load Bus Bar से जोड़ा जाता है। किसी Electrical Substation पर Electrical Load के लिये आवश्यक Electrical Power की मात्रा उस Electrical Power Value से अधिक हो जाये जिसे कि Substation स्थित T/F स्थानान्तरित करता है तो बड़ी हुई आवश्यकता को पूर्ण करने हेतु कर्पित T/F को बदलकर उसके स्थान पर आवश्यकतानुसार बड़ा T/F लगाये जाय तो पहले से लगा T/F बेकार हो जाता है और आर्थिक क्षति होती है। इससे बचने के लिए पुराने T/F के Parallel में T/F को संयोजित कर T/F की Efficiency बढ़ाई जाती है।

इसके अतिरिक्त पुराने T/F को हटाकर नया लगाने में कभी समय

लगेगा और इतना देर तक Electricity Supply बन्द रहेगी। अतः एक

के T/F को न लगाकर कई छोटे-छोटे T/F को Parallel में Connect

कर Supply की जाती है। एक छोटे T/F को Parallel में जोड़ने में

धनराशि भी कम लगती है तथा समय भी कम लगता है और कार्य

की निरन्तरता बनी रहती है।

Required Condition for parallel operation

(i) T/F की polarity समान होनी चाहिए।

(ii) T/F का रूपान्तरण Ratio समान होना चाहिए।

(iii) T/F की frequency समान होनी चाहिए।

(iv) T/F की percentage Impedance समान होनी चाहिए।

(v) दोनों T/F की Primary व Secondary Voltages के अथ Phase

विस्थापन समान होना चाहिए।

(vi) T/F का phase-अनुक्रम समान होना चाहिए।